राज्य स्त्री शक्ति तीलू रौतेली पुरस्कार वितरण समारोह में माननीय राज्यपाल महोदय का संबोधन

(08 अगस्त 2022)

जय हिन्द!

नारी शक्ति के सम्मान के इस समारोह में उपस्थित मन्त्री श्रीमती रेखा आर्य जी, विधायक श्री खजानदास जी, सचिव श्री सेमवाल जी और उपस्थित मातृशक्ति एवं महानुभवों!

सर्वप्रथम, आज वीरांगना **तीलू रौतेली** जी के जन्म दिन के पावन अवसर पर उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ और शत शत नमन करता हूँ।

हम सब जानते हैं कि भारतीय स्वाधीनता संग्राम में जिस प्रकार, झांसी की रानी लक्ष्मी बाई जी का नाम हम गौरव और आदर के साथ लेते हैं, उसी प्रकार उत्तराखड की पवित्र भूमि पर वीरांगना तीलू रौतेली जी का नाम लिया जाता है।

उत्तराखंड में, जिनकी वीरता की गाथाएं, लोक गीतों में गायी जाती हैं, कथाओं और कहानियों में सुनायी जाती हैं वे सब हम सब को अचंबित, रोमांचित और गौरवान्वित करने वाली हैं।

उनके जीवन की वे प्रेरणादायी कहानियां हमारे और हमारे बच्चों के मन में वीरता, साहस, पराक्रम, शक्ति,

शौर्य और बलिदान की महान भावनाओं से भर देती हैं।

उत्तराखण्ड की धरती पर जन्म लेने वाली इस महान नारी शक्ति को नमन और श्रद्धासुमन अर्पित करना, स्मरण किया जाना उत्तराखण्ड की हर नारी का सम्मान है।

मुझे अत्यन्त प्रसन्नता है कि उनके जन्मदिन को महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास विभाग द्वारा आज एक उत्सव बना दिया है।

इस बात की भी अत्यन्त प्रसन्नता है कि प्रदेश की नारी शक्ति को 13 महिलाओं एवं किशोरियों को तीलू रौतेली पुरस्कार एवं 35 आंगनबाड़ी कार्यकर्तियों को पुरस्कारों से पुरस्कृत किया किया जा रहा है।

वीर भूमि उत्तराखण्ड की नारी शक्ति को सम्मानित करने के लिए यह आयोजन बहुत ही प्रेरणादायी है।

हमारे प्रदेश की नारी शक्ति एक अलग ही स्तर पर शक्ति, साहस, कर्तव्य निष्ठा, लगन और उत्तरदायित्व की भावना से पूर्ण दिखाई देती है।

उत्तराखंड को वीरभूमि कहलाने में उत्तराखंड की नारी शक्ति का सबसे बड़ा योगदान है, उन्होने ही हमारी पीढ़ी को प्रेरित किया है, मार्गदर्शन दिया है, पाला–पोसा है।

हम सब जानते हैं कि किसी भी व्यक्तित्व के निर्माण में माता की भूमिका सबसे बड़ी होती है, क्योंकि माता ही वह शक्ति है जो अपने बच्चे को सही राह पर चलने की सीख देती है और जब वह स्वयं ही वीरता, साहस, पराक्रम और शौर्य की प्रतीक हो तो उनके बच्चे भी ऐसे ही क्यों नहीं होंगे।

मुझे बहुत ही खुशी है कि उत्तराखंड सरकार वीरांगना तीलू रौतेली जी के सम्मान में उनके नाम से वर्ष 2003 से ही 'राज्य स्त्री शक्ति तीलू रौतेली पुरस्कार' प्रदान करती आ रही है।

मैं इस आयोजन के लिए सरकार को, इस विभाग को बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ। आप बहुत ही सुन्दर कार्य कर रहे हैं।

उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में जब मैं अपने प्रवास पर जाता हूँ, तो मुझे राज्य की नारी शक्ति के कार्यों को देखने का मौका मिलता है, मैं अनुभव करता हूँ कि उत्तराखंड की धरती को यहां की मातृशक्ति ही पाल – पोस रही है, समृद्ध बना रही है।

यही कारण है कि यह उत्तराखंड की धरती वीर भूमि के रूप में देश में विख्यात है, सबसे ज्यादा सैन्य शक्ति का अनुपात हमारे उत्तराखंड प्रदेश में है, और आप जैसी वीरांगना मातृशक्ति ही हैं, जो हमारे बच्चों

को प्रेरणा देती हैं, राष्ट्र की सेवा का मार्ग दिखाती हैं, उनमें देश सेवा के जोश और जज्बे को भरती हैं।

मेरी अपेक्षा है कि उत्तराखंड की मातृशक्ति को उनके योगदान के लिए पूरा मान और सम्मान मिलना चाहिए।

मातृ शक्ति के द्वारा किए गए कार्यों के लिए उन्हें उसका मूल्य प्राप्त होना चाहिए, मेरी अपेक्षा है कि मातृशक्ति के कल्याण के लिए राज्य सरकार अधिक से अधिक योजनाएं बनाए और उनके जीवन को सुगम बनाने के लिए कार्य करे।

मुझे बहुत खुशी है कि महिलाओं के द्वारा समाज में विशेष उल्लेखनीय कार्य करने के लिए समाज में एक उदाहरण प्रस्तुत किया जा रहा है।

राज्य स्त्री शक्ति तिलू रोतेली पुरस्कार प्राप्त करने वाली 13 सम्मानित मातृशक्ति को और 35 आंगनबाड़ी कार्यकर्तृयों मैं हार्दिक बधाई देता हूँ।

यह पुरस्कार आपके द्वारा समाज की भलाई के लिए किये गये विशेष योगदान के लिए दिया जा रहा है।

ये पुरस्कार दूसरों को प्रेरणा देने के लिए है, सदैव प्रेरित रहने के लिए हैं। हम अपने जीवन में, अपने कार्यों में इस पुरस्कार से शक्ति प्राप्त करते हुए और अधिक लोगों को प्रेरित करें। ताकि अधिक से अधिक

लोग समाज की भलाई के लिए कार्य करने के लिए आगे आएं।

हमें आगे भविष्य में भी ऐसे आदर्श स्थापित करने होंगे जो समाज को नई दिशा देने में समर्थ हो।

इसी सप्तारह तीन दिन बाद ही भाई–बहनों का पतित्र त्यौहार रक्षा बंधन भी आने वाला है, रक्षा बंधन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ और आप सभी के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

जय हिन्द!

संदर्भ सामग्री

राज्य की महिलाओं को सम्मान प्रदान करने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा राज्य स्त्री शक्ति तीलू रौतेली पुरस्कार की योजना वर्ष 2003 से प्रारम्भ की गयी है।

योजना के अन्तर्गत पुरस्कार प्राप्त करने वाली महिला को प्रशस्ति पत्र, रू0 31000—/ की धनराशि, प्रमाण पत्र तथा स्मृति चिन्ह प्रदान की जाती है।

पुरस्कार प्रतिवर्ष वीरांगना तीलू रौतेली के जन्म दिवस 08 अगस्त को महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रदान किया जाता है।

राज्य में महिलाओं एवं किशोरियों के द्वारा विषम परिस्थितियों शिक्षा, समाज सेवा, साहसिक कार्य, खेल, कला क्राफ्ट, संस्कृति, पर्यावरण एवं कृषि आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला एवं किशोरियों को इस पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

वर्ष 2020.21 में 23 महिलाओं, किशोरियों को तीलू रौतेली पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

प्रत्येक जनपद से एक कुल 13 महिलाओं एवं किशोरियों को तीलू रौतेली पुरस्कार एवं 35 आंगनबाड़ी कार्यकर्तियों को पुरस्कार दिया जाता है।